

Dr. Kale Sir's Case Study

Publication	Dainik Bhaskar
Date	3 December
Edition	Noida

गंभीर बीमारी से जूझ रही 16 साल की रवीना को शारदा हॉस्पिटल के डॉक्टरों ने दिया नया जीवन



भास्कर समाचार सेवा

ग्रेटर नोएडा। मरीजों की देखभाल और सुरक्षा के प्रति अपने अटूट समर्पण के लिए प्रसिद्ध स्वास्थ्य सेवा संस्था, शारदा हॉस्पिटल ने एक बार फिर चिकित्सा इतिहास में एक नया अध्याय लिखा है। शारदा हॉस्पिटल में प्रोफेसर रवि काले (बाल सर्जन) और डॉ. आशीष मौदगिल के नेतृत्व में सर्जनों की एक टीम ने छह घंटों तक चली लंबी सर्जरी के बाद 13 सेमी का एक बड़ा दुर्लभ ट्यूमर निकाल कर बच्ची को नया जीवन दिया है। मूल रूप से पश्चिम बंगाल की रहने वाली रवीना विश्वास के घर वालों ने बताया कि पिछले कुछ समय से रवीना को पेट के बाईं ओर दर्द हो रहा था और पेट में बड़ी सी रसौली महसूस हो रही थी। बीमारी के बेहतर इलाज के लिए आस-पास के विभिन्न अस्पतालों में गए थे, लेकिन आगे के प्रबंधन के लिए उन्हें उच्च केंद्रों में रेफर कर दिया गया था, फिर बाद में एक सीटी स्कैन और अन्य जांच से पता चला कि एक बड़ा पैरागैन्ग्लिओमा गुर्दे के ऊपर बैठा है और प्रमुख रक्त वाहिकाओं से निकटता से जुड़ा हुआ है। लाइलाज

दिख रहे हैं इस चुनौतीपूर्ण केस को शारदा हॉस्पिटल के प्रोफेसर रवि काले (बाल सर्जन) ने अपने हाथों में लिया और अपनी काबिलियत और कड़ी मेहनत के दम पर रवीना को नया जीवन देकर नामुमकिन को मुमकिन कर दिखाया। इस केस पर खुशी और अपना अनुभव साझा करते हुए प्रोफेसर रवि काले ने कहा कि इस ट्यूमर के कारण अज्ञात हैं और ये मुख्य रूप से छाती, गर्दन और खोपड़ी के निचले हिस्से में होते हैं। यह ट्यूमर अक्सर पेट में नहीं पाया जाता है और यह बहुत घीमी गति से बढ़ता है। रवीना के शुरूआती इलाज में हमारे सामने कुछ चुनौतियां थीं लेकिन हमने वो सारी चिकित्सा सुविधाएं देने का प्रयास किया जो जरूरी थी लेकिन सर्जरी के बाद बायीं किडनी और मुख्य वाहिकाओं से निकट रसौली को हटा दिया गया। मुझे हमारी टीम जिनमें डॉ. आशीष मौदगिल, प्रोफेसर डॉ. शिव कुमार सिंह, (एनेस्थिसियोलॉजी) और प्रोफेसर डॉ. राम मूर्ति शर्मा पर गर्व है और खुशी है कि उन्होंने इस केस को सफल बनाने और बच्ची को नया जीवन देने में अहम भूमिका निभाई है।

Publication	Watan Kesari
Date	3 December
Edition	Noida

गंभीर बीमारी से जूझ रही 16 साल की रवीना को शारदा हॉस्पिटल के डॉक्टर्स ने दिया नया जीवन

ग्रेटर नोएडा। मरीजों की देखभाल और सुरक्षा के प्रति अपने अटूट समर्पण के लिए प्रसिद्ध स्वास्थ्य सेवा संस्था, शारदा हॉस्पिटल ने एक बार फिर चिकित्सा इतिहास में एक नया अध्याय लिखा है। शारदा हॉस्पिटल में प्रोफेसर रवि काले (बाल सर्जन) और डॉ. आशीष मौदगिल के नेतृत्व में सर्जनों की एक टीम ने छह घंटों तक चली लंबी सर्जरी के बाद 13 सेमी का एक बड़ा दुर्लभ ट्यूमर निकाल कर बच्ची को नया जीवन दिया है। मूल रूप से पश्चिम बंगाल की रहने वाली रवीना विश्वास के घर वालों

ने बताया कि पिछले कुछ समय से रवीना को पेट के बाईं ओर दर्द हो रहा था और पेट में बड़ी सी रसोली महसूस हो रही थी। बीमारी के बेहतर इलाज के लिए आस-पास के विभिन्न अस्पतालों में गए थे, लेकिन आगे के प्रबंधन के लिए उन्हें उच्च केंद्रों में रेफर कर दिया गया था, फिर बाद में एक सीटी स्कैन और अन्य जांच से पता चला कि एक बड़ा पैरागैंग्लियोमा गुर्दे के ऊपर बैठा है और प्रमुख रक्त वाहिकाओं से निकटता से जुड़ा हुआ है। लाइलाज दिख रहे हैं इस चुनौतीपूर्ण केस को शारदा

हॉस्पिटल के प्रोफेसर रवि काले (बाल सर्जन) ने अपने हाथों में लिया और अपनी काबिलियत और कड़ी मेहनत के दम पर रवीना को नया जीवन देकर नामुमकिन को मुमकिन कर दिखाया। इस केस पर खुशी और अपना अनुभव साझा करते हुए प्रोफेसर रवि काले ने कहा कि हाइस ट्यूमर के कारण अज्ञात हैं और ये मुख्य रूप से छाती, गर्दन और खोपड़ी के निचले हिस्से में होते हैं। यह ट्यूमर अक्सर पेट में नहीं पाया जाता है और यह बहुत धीमी गति से बढ़ता है। रवीना के शुरूआती इलाज में

हमारे सामने कुछ चुनौतियां थीं लेकिन हमने वो सारी चिकित्सा सुविधाएं देने का प्रयास किया जो जरूरी थीं लेकिन सर्जरी के बाद बायीं किडनी और मुख्य वाहिकाओं से निकट रसोली को हटा दिया गया। मुझे हमारी टीम जिनमें डॉ. आशीष मौदगिल, प्रोफेसर डॉ. शिव कुमार सिंह, (एनेस्थेसियोलॉजी) और प्रोफेसर डॉ. राम मूर्ति शर्मा पर गर्व है और खुशी है कि उन्होंने इस केस को सफल बनाने और बच्ची को नया जीवन देने में अहम भूमिका निभाई है।

Publication	Deshbandhu
Date	4 December
Edition	Noida

गंभीर बीमारी से जूझ रही 16 साल की रवीना को चिकित्सकों ने दिया नया जीवन



■ छह घंटों तक चली लंबी सर्जरी के बाद 13 सेमी का एक बड़ा दुर्लभ ट्यूमर निकाला

ग्रेटर नोएडा, 3 दिसम्बर (देशबन्धु)। शारदा अस्पताल के चिकित्सकों ने दुर्लभ ट्यूमर निकालकर एक बच्ची को नया जीवनदान दिया है, प्रोफेसर रवि काले (बाल सर्जन) और डॉ. आशीष मोदगिल के नेतृत्व में सर्जनों की एक टीम ने छह घंटों तक चली लंबी सर्जरी के बाद 13 सेमी का एक बड़ा दुर्लभ ट्यूमर निकालने में सफलता मिली है। मूल रूप से पश्चिम बंगाल की रहने वाली रवीना विश्वास के घर वालों ने बताया कि पिछले कुछ समय से रवीना को पेट के बाईं ओर दर्द हो रहा था और पेट में बड़ीसी रसीली महसूस हो रही थी। बीमारी के बेहतर इलाज के लिए आस-पास के विभिन्न अस्पतालों में गए थे, लेकिन आगे के प्रबंधन के लिए उन्हें उच्च केंद्रों में रेफर कर दिया गया था, फिर बाद में एक सीटी स्कैन और अन्य जांच से पता चला कि एक बड़ा पैरागैंग्लियोमा गुर्दे के ऊपर बैठा है और प्रमुख रक्त वाहिकाओं से निकटता से जुड़ा हुआ है। लाइलाज दिख रहे हैं इस चुनौतीपूर्ण केस को शारदा हॉस्पिटल के प्रोफेसर रवि काले (बाल सर्जन) ने अपने हाथों में लिया और अपनी

काबिलियत और कड़ी मेहनत के दम पर रवीना को नया जीवन देकर नामुमकिन को मुमकिन कर दिखाया। प्रोफेसर रवि काले ने कहा कि इस ट्यूमर के कारण अज्ञात हैं और ये मुख्य रूप से छाती, गर्दन और खोपड़ी के निचले हिस्से में होते हैं। यह ट्यूमर अक्सर पेट में नहीं पाया जाता है और यह बहुत धीमी गति से बढ़ता है। रवीना के शुरूआती इलाज में हमारे सामने कुछ चुनौतियां थी, लेकिन हमने वो सारी चिकित्सा सुविधाएं देने का प्रयास किया जो ज़रूरी थी, लेकिन सर्जरी के बाद बायों किडनी और मुख्य वाहिकाओं से निकट रसीली को हटा दिया गया। मुझे हमारी टीम जिनमें डॉ. आशीष मोदगिल, प्रोफेसर डॉ. शिव कुमार सिंह, (एनेस्थिसियोलॉजी) और प्रोफेसर डॉ. राम मूर्ति शर्मा पर गर्व है और खुशी है कि उन्होंने इस केस को सफल बनाने और बच्ची को नया जीवन देने में अहम भूमिका निभाई है।

रवीना के घर वालों ने कहा कि हमने तो उम्मीद ही छोड़ दी थी, लेकिन शारदा हॉस्पिटल के डॉक्टरों ने हमारी बच्ची को दूसरा जीवन देकर हमारे जीवन में खुशियां लौटा दी हैं।

Publication	Samachar Nirdesh
Date	3 December
Edition	Noida

गंभीर बीमारी से जूझ रही 16 साल की रवीना को शारदा हॉस्पिटल के डॉक्टर्स ने दिया नया जीवन

ग्रेटर नोएडा। मरीजों की देखभाल और सुरक्षा के प्रति अपने अटूट समर्पण के लिए प्रसिद्ध स्वास्थ्य सेवा संस्था, शारदा हॉस्पिटल ने एक बार फिर चिकित्सा इतिहास में एक नया अध्याय लिखा है। शारदा हॉस्पिटल में प्रोफेसर रवि काले (बाल सर्जन) और डॉ. आशीष मौदगिल के नेतृत्व में सर्जनों की एक टीम ने छह घंटों तक चली लंबी सर्जरी के बाद 13 सेमी का एक बड़ा दुर्लभ ट्यूमर निकाल कर बच्ची को नया जीवन दिया है। मूल रूप से पश्चिम बंगाल की रहने वाली रवीना विश्वास के घर वालों ने बताया कि पिछले कुछ समय से रवीना को पेट के बाईं ओर दर्द हो रहा था और पेट में बड़ी सी रसौली महसूस हो रही थी। बीमारी के बेहतर इलाज के लिए आस-पास के विभिन्न अस्पतालों में गए थे, लेकिन आगे के प्रबंधन के लिए उन्हें उच्च केंद्रों में रेफर कर दिया गया था, फिर बाद में एक सीटी स्कैन और अन्य जांच से पता चला कि एक बड़ा पैरागैन्ग्लिओमा गुर्दे के ऊपर बैठा है और प्रमुख रक्त वाहिकाओं से निकटता से जुड़ा हुआ है। लाइलाज दिख रहे हैं इस चुनौतीपूर्ण केस को शारदा हॉस्पिटल के प्रोफेसर रवि काले (बाल सर्जन) ने अपने हाथों में लिया और अपनी काबिलियत और कड़ी मेहनत के दम पर रवीना को नया जीवन देकर नामुमकिन को मुमकिन कर दिखाया।

इस केस पर खुशी और अपना अनुभव साझा करते हुए प्रोफेसर रवि काले ने कहा कि हृदय ट्यूमर के कारण अज्ञात हैं और ये मुख्य रूप से छाती, गर्दन और खोपड़ी के निचले हिस्से में होते हैं। यह ट्यूमर अक्सर पेट में नहीं पाया जाता है और यह बहुत धीमी गति से बढ़ता है। रवीना के शुरूआती इलाज में हमारे सामने कुछ चुनौतियां थी लेकिन हमने वो सारी चिकित्सा सुविधाएं देने का प्रयास किया जो जरूरी थी लेकिन सर्जरी के बाद बायीं किडनी और मुख्य वाहिकाओं से निकट रसौली को हटा दिया गया। मुझे हमारी टीम जिनमें डॉ. आशीष मौदगिल, प्रोफेसर डॉ. शिव कुमार सिंह, (एनेस्थिसियोलॉजी) और प्रोफेसर डॉ. राम मूर्ति शर्मा पर गर्व है और खुशी है कि उन्होंने इस केस को सफल बनाने और बच्ची को नया जीवन देने में अहम भूमिका निभाई है

Publication	Action India
Date	3 December
Edition	Noida

निवेशका के कसाटयम के साथ एक नाश्त समझाता किया ह।

गंभीर बीमारी से जूझ रही 16 साल की रवीना को शारदा हॉस्पिटल के डॉक्टर्स ने दिया नया जीवन

ग्रेटर नोएडा/टीम एक्शन इंडिया

मरीजों की देखभाल और सुरक्षा के प्रति अपने अटूट समर्पण के लिए प्रसिद्ध स्वास्थ्य सेवा संस्था, शारदा हॉस्पिटल ने एक बार फिर चिकित्सा इतिहास में एक नया अध्याय लिखा है। शारदा हॉस्पिटल में प्रोफेसर रवि काले (बाल सर्जन) और डॉ. आशीष मौदगिल के नेतृत्व में सर्जनों की एक टीम ने छह घंटों तक चली लंबी सर्जरी के बाद 13 सेमी का एक बड़ा दुर्लभ ट्यूमर निकाल कर बच्ची को नया जीवन दिया है।

मूल रूप से पश्चिम बंगाल की रहने वाली रवीना विश्वास के घर वालों ने बताया कि पिछले कुछ समय से रवीना को पेट के बाईं ओर दर्द हो रहा था और पेट में बड़ी सी रसौली महसूस हो रही थी।

Publication	Rashtriya shaan
Date	3 December
Edition	Noida

गंभीर बीमारी से जूझ रही 16 साल की रवीना को शारदा हॉस्पिटल के डॉक्टर्स ने दिया नया जीवन

ग्रेटर नोएडा। मरीजों की देखभाल और सुरक्षा के प्रति अपने अटूट समर्पण के लिए प्रसिद्ध स्वास्थ्य सेवा संस्था, शारदा हॉस्पिटल ने एक बार फिर विकित्सा इतिहास में एक नया अध्याय लिखा है। शारदा हॉस्पिटल में प्रोफेसर रवि काले (बाल सर्जन) और डॉ. आशीष मौदगिल के नेतृत्व में सर्जनों की एक टीम ने छह घंटों तक चली लंबी सर्जरी के बाद 13 सेमी का एक बड़ा दुर्लभ ट्यूमर निकाल कर बच्ची को नया जीवन दिया है। मूल रूप से पश्चिम बंगाल की रहने वाली रवीना विश्वास के घर वालों ने बताया कि पिछले कुछ समय से रवीना को पेट के बाईं ओर दर्द हो रहा था और पेट में बड़ी सी रसीली महसूस हो रही थी। बीमारी के बेहतर इलाज के लिए आस-पास के विभिन्न अस्पतालों में गए थे, लेकिन आगे के प्रबंधन के लिए उन्हें उच्च केंद्रों में रेफर कर दिया गया था, फिर बाद में एक सीटी स्कैन और अन्य जांच से पता चला कि एक बड़ा पैरागैन्ग्लिओमा गुर्दे के ऊपर बैठा है और प्रमुख रक्त वाहिकाओं से निकटता से जुड़ा हुआ है। लाइलाज दिख रहे हैं इस चुनौतीपूर्ण केस को शारदा हॉस्पिटल के प्रोफेसर रवि काले (बाल सर्जन) ने अपने हाथों में लिया और अपनी काबिलियत और कड़ी मेहनत के दम पर रवीना को नया जीवन देकर नामुमकिन को मुमकिन कर दिखाया।

Publication	Din Kesari
Date	3 December
Edition	Noida

गंभीर बीमारी से जूझ रही 16 साल की रवीना को शारदा हॉस्पिटल के डॉक्टर्स ने दिया नया जीवन

ग्रेटर नोएडा। मरीजों की देखभाल और सुरक्षा के प्रति अपने अटूट समर्पण के लिए प्रसिद्ध स्वास्थ्य सेवा संस्था, शारदा हॉस्पिटल ने एक बार फिर चिकित्सा इतिहास में एक नया अध्याय लिखा है। शारदा हॉस्पिटल में प्रोफेसर रवि काले (बाल सर्जन) और डॉ. आशीष मौदगिल के नेतृत्व में सर्जनों की एक टीम ने छह घंटों तक चली लंबी सर्जरी के बाद 13 सेमी का एक बड़ा दुर्लभ ट्यूमर निकाल कर बच्ची को नया जीवन दिया है।

मूल रूप से पश्चिम बंगाल की रहने वाली रवीना विश्वास के घर वालों ने बताया कि पिछले कुछ समय से रवीना को पेट के बाईं ओर दर्द हो रहा था और पेट में बड़ी सी रसौली महसूस हो रही थी। बीमारी के बेहतर इलाज के लिए आस-पास के विभिन्न अस्पतालों में गए थे, लेकिन आगे के प्रबंधन के लिए उन्हें उच्च केंद्रों में रेफर कर दिया गया था, फिर बाद में एक सीटी स्कैन और अन्य जांच से पता चला कि एक बड़ा पैरगैन्ग्लिओमा गुद के ऊपर बैठा है और प्रमुख रक्त वाहिकाओं से निकटता से जुड़ा हुआ है। लाइलाज दिख रहे हैं इस चुनौतीपूर्ण केस को

शारदा हॉस्पिटल के प्रोफेसर रवि काले (बाल सर्जन) ने अपने हाथों में लिया और अपनी काबिलियत और कड़ी मेहनत के दम पर रवीना को नया जीवन देकर नामुमकिन को मुमकिन कर दिखाया।

इस केस पर खुशी और अपना अनुभव साझा करते हुए प्रोफेसर रवि काले ने कहा कि हाइस ट्यूमर के कारण अज्ञात हैं और ये मुख्य रूप से छाती, गर्दन और खोपड़ी के निचले हिस्से में होते हैं। यह ट्यूमर अक्सर पेट में नहीं पाया जाता है और यह बहुत धीमी गति से बढ़ता है। रवीना के शुरुआती इलाज में हमारे सामने कुछ चुनौतियां थीं लेकिन हमने वो सारी चिकित्सा सुविधाएं देने का प्रयास किया जो जरूरी थीं लेकिन सर्जरी के बाद बायीं किडनी और मुख्य वाहिकाओं से निकट रसौली को हटा दिया गया। मुझे हमारी टीम जिनमें डॉ. आशीष मौदगिल, प्रोफेसर डॉ. शिव कुमार सिंह, (एनेस्थीसियोलॉजिस्ट) और प्रोफेसर डॉ. राम मूर्ति शर्मा पर गर्व है और खुशी है कि उन्होंने इस केस को सफल बनाने और बच्ची को नया जीवन देने में अहम भूमिका निभाई है।

Publication	Dainik Pralankar
Date	3 December
Edition	Noida

गंभीर बीमारी से जूझ रही 16 साल की रवीना को शारदा हॉस्पिटल के डॉक्टर्स ने दिया नया जीवन

ग्रेटर नोएडा। मरीजों की देखभाल और सुरक्षा के प्रति अपने अटूट समर्पण के लिए प्रसिद्ध स्वास्थ्य सेवा संस्था, शारदा हॉस्पिटल ने एक बार फिर चिकित्सा इतिहास में एक नया अध्याय लिखा है। शारदा हॉस्पिटल में प्रोफेसर रवि काले (बाल सर्जन) और डॉ. आशीष मौदगिल के नेतृत्व में सर्जनों की एक टीम ने छह घंटों तक चली लंबी सर्जरी के बाद 13 सेमी का एक बड़ा दुर्लभ ट्यूमर निकाल कर बच्ची को नया जीवन दिया है। मूल रूप से पश्चिम बंगाल की रहने वाली रवीना विश्वास के घर वालों

ने बताया कि पिछले कुछ समय से रवीना को पेट के बाईं ओर दर्द हो रहा था और पेट में बड़ी सी रसौली महसूस हो रही थी। बीमारी के बेहतर इलाज के लिए आस-पास के विभिन्न अस्पतालों में गए थे, लेकिन आगे के प्रबंधन के लिए उन्हें उच्च केंद्रों में रेफर कर दिया गया था, फिर बाद में एक सीटी स्कैन और अन्य जांच से पता चला कि एक बड़ा पैरागैन्ग्लिओमा गुदों के ऊपर बैठा है और प्रमुख रक्त वाहिकाओं से निकटता से जुड़ा हुआ है। लाइलाज दिख रहे हैं इस चुनौतीपूर्ण केस को शारदा

हॉस्पिटल के प्रोफेसर रवि काले (बाल सर्जन) ने अपने हाथों में लिया और अपनी काबिलियत और कड़ी मेहनत के दम पर रवीना को नया जीवन देकर नामुमकिन को मुमकिन कर दिखाया।

इस केस पर खुशी और अपना अनुभव साझा करते हुए प्रोफेसर रवि काले ने कहा कि ह्यडस ट्यूमर के कारण अज्ञात हैं और ये मुख्य रूप से छाती, गर्दन और खोपड़ी के निचले हिस्से में होते हैं। यह ट्यूमर अक्सर पेट में नहीं पाया जाता है और यह बहुत धीमी गति से बढ़ता है। रवीना के शुरूआती इलाज में

हमारे सामने कुछ चुनौतियां थीं लेकिन हमने वो सारी चिकित्सा सुविधाएं देने का प्रयास किया जो जरूरी थीं लेकिन सर्जरी के बाद बायीं किडनी और मुख्य वाहिकाओं से निकट रसौली को हटा दिया गया। मुझे हमारी टीम जिनमें डॉ. आशीष मौदगिल, प्रोफेसर डॉ. शिव कुमार सिंह, (एनेस्थिसियोलॉजी) और प्रोफेसर डॉ. राम मूर्ति शर्मा पर गर्व है और खुशी है कि उन्होंने इस केस को सफल बनाने और बच्ची को नया जीवन देने में अहम भूमिका निभाई है।

Publication	Pioneer
Date	3 December
Link	https://pioneerhindi.com/news/state/uttar-pradesh/doctors-of-sharda-hospital-gave-new-life-to-16-year-old-raveena-who-was-suffering-from-serious-illness



WE'VE ALWAYS BEEN LOCAL
NOW WE ARE MOBILE

होम भारत राज्य मनोरंजन खेल बिजनेस विठियो पायनियर एक्सकलुसिव किताबों की दुनिया ई-पेपर

राजस्थान मध्य प्रदेश उत्तर प्रदेश बिहार पश्चिम बंगाल गुजरात महाराष्ट्र दिल्ली पंजाब हरियाणा झारखंड हिमाचल

होम > state > uttar-pradesh

BREAKING NEWS सल्ला: आईसीआईबीआई बैंक ने ओपे केविएट कार्ड के माध्यम से एमआई भुगतान की शुरुआत की

गंभीर बीमारी से जूझ रही 16 साल की रवीना को शारदा हॉस्पिटल के डॉक्टरों ने दिया नया जीवन



🕒 16 घंटे पहले

प्रेटर नोएडा: मरीजों की देखभाल और सुरक्षा के प्रति अपने अटूट समर्पण के लिए प्रसिद्ध स्वास्थ्य सेवा संस्था, शारदा हॉस्पिटल ने एक बार फिर विकिसा इतिहास में एक नया अध्याय लिखा है। शारदा हॉस्पिटल में प्रोफेसर रवि काले (बाल सर्जन) और डॉ. आशीष मौदगिल के नेतृत्व में सर्जनों की एक टीम ने छह घंटों तक चली लंबी सर्जरी के बाद 13 सेमी का एक बड़ा टुलर्भ ट्यूमर निकाल कर बच्ची को नया जीवन दिया है।

Publication	Dailyhunt
Date	6 December
Link	https://m.dailyhunt.in/news/india/hindi/khabar24express-epaper-dh68031f8fa2344630a1367a459908e1ea/-newsid-dh68031f8fa2344630a1367a459908e1ea_485152bc2baa44fd831dbaca09ec51df?s_m=Y


समाचार ▾

- आ आपके लिए
- न न्यूज़
- क्रिकेट
- डेली शोयर
- देश
- मनोरंजन
- स्वास्थ्य सुझाव
- व्यापार
- गैलरी



Khabar 24 Express
@khabar24express



18d · 9.1k views · 74 shares





गंभीर बीमारी से जूझ रही 16 साल की रवीना को शारदा हॉस्पिटल के डॉक्टर्स ने दिया नया जीवन

छह घंटों तक चली लंबी सर्जरी के बाद 13 सेमी का एक बड़ा दुर्लभ ट्यूमर निकाल कर बच्ची को दिया नया जीवन।

25 नवंबर, 2023, प्रेटर नोएडा: मरीजों की देखभाल और सुरक्षा के प्रति अपने अटूट समर्पण के लिए प्रसिद्ध स्वास्थ्य सेवा संस्था, शारदा हॉस्पिटल ने एक बार फिर चिकित्सा इतिहास में एक नया अध्याय लिखा है। शारदा हॉस्पिटल में प्रोफेसर रवि काले (बाल सर्जन) और डॉ. आशीष मौदगिल के नेतृत्व में सर्जनों की एक टीम ने छह घंटों तक चली लंबी सर्जरी के बाद 13 सेमी का एक बड़ा दुर्लभ ट्यूमर निकाल कर बच्ची को नया जीवन दिया है।

Publication	TV9
Date	5 December
Link	https://www.tv9hindi.com/health/a-girl-have-13-centimeter-tumour-near-kidney-doctor-performs-surgery-2267661.html



[देश](#)
[राज्य](#)
[SPORTS9](#)
[ईयर एंडर 2023](#)
[मनोरंजन](#)
[वेब स्टोरी](#)
[बिजनेस](#)
[टेक](#)
[धर्म](#)
[दुनिया](#)
[लाइफस्टाइल](#)
[ट्रेडिंग](#)
[वीडियो](#)
[एजुकेशन](#)
[नॉलेज](#)





Hindi News > हेल्थ

किडनी के पास बन गया था 13 सेंटीमीटर का ट्यूमर, डॉक्टरों ने ऐसे बचाई जान

एक लड़की की किडनी के ऊपर 13 सेंटीमीटर का ट्यूमर हो गया था. इस ट्यूमर का साइज काफी बड़ा था और ये किडनी के आसपास के ऑर्गन और नसों तक जा रहा था. ऐसी स्थिति में लड़की की हालत लगातार बिगड़ रही थी, लेकिन डॉक्टरों ने एक सफल सर्जरी करके उसकी जान बचा ली.



प्रतीकालोक: तस्वीर (Pixabay)

Publication	Grenonews
Date	1 December
Link	https://www.grenonews.com/?p=77455



हर खबर पर हमारी नजर

🏠 दिल्ली-एनसीआर
🌍 देश-विदेश
📰 अपराध
📍 प्रादेशिक
🏆 खेल
🏥 स्वास्थ्य
🎓 शिक्षा
👩‍⚕️ डॉक्टरी
🏠 मनोरंजन



Health

गंभीरु बीमारी से जूझ रही 16 साल की बच्ची को शारदा हॉस्पिटल के डॉक्टर्स ने दिया नया जीवन

📅 December 1, 2023 👤 Rajesh Mishra 🗣️ Greno news team

छह घंटों तक चली लंबी सर्जरी के बाद 13 सेमी का एक बड़ा ट्यूमर निकाल कर बच्ची को दिया नया जीवन।

25 नवंबर, 2023, ग्रेटर नोएडा: मरीजों की देखभाल और सुरक्षा के प्रति अपने अटूट समर्पण के लिए प्रसिद्ध स्वास्थ्य सेवा संस्था, शारदा हॉस्पिटल ने एक बार फिर चिकित्सा इतिहास में एक नया अध्याय लिखा है। शारदा हॉस्पिटल में प्रोफेसर रवि काले (बाल सर्जन) और डॉ. आशीष मोदगिल के नेतृत्व में सर्जनों की एक टीम ने छह घंटों तक चली लंबी सर्जरी के बाद 13 सेमी का एक बड़ा ट्यूमर निकाल कर बच्ची को नया जीवन दिया है।

Publication	Khabar 24 Express
Date	5 December
Link	https://www.khabar24.tv/2023/12/06/doctors-of-sharda-hospital-gave-new-life-to-16-year-old-raveena-who-was-suffering-from-serious-illness-khabar-24-express/

खबर 24 (TM) **एक्सप्रेस**
नया खतरा, नया मेहरा

BREAKING NEWS
2021 देश दुनिया की बड़ी खबरों के लिए नीचे लिंक पर क्लिक करें

Bollywood DRUGS Connection का पर्दाफाश

Breaking News महानूत विभाग भुसावळ अंतर्गत 3 मोबाईल टॉवर स्थित

Home / खबरें / गंभीर बीमारी से जूझ रही 16 साल की रवीना को शारदा हॉस्पिटल के डॉक्टर्स ने दिया नया जीवन

गंभीर बीमारी से जूझ रही 16 साल की रवीना को शारदा हॉस्पिटल के डॉक्टर्स ने दिया नया जीवन

2 weeks ago | घरों | Leave a comment

Facebook | Twitter | Google+ | LinkedIn | Pinterest

SHARDA HOSPITAL

“छह घंटों तक चली लंबी सर्जरी के बाद 13 सेमी का एक बड़ा ट्यूमर निकाल कर बच्ची को दिया नया जीवन!”

Live TV (Demo)

Place Your Ad Here

Khabar24 Exclusive एक शख्सियत ऐसी भी

Actress Kanak Vadav की चुंदरता और सौम्यता का कारण हुआ शारदा

Happy Birthday Iemal Darbar : लोगों ने स्वाइल दरबार को भाना प आर दहमान से भी बेहतर संगीतकार

Actress Shweta Mishra is going to start her website